

अधिप्रमाणित  
AUTHENTICATED

Ministry of Railways (Railway Board): C&IS Directorate

(मनोज सिन्हा)  
(MANOJ SINHA)  
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री  
Minister of State in the Ministry of Railways

**REVIEW OF THE PERFORMANCE OF THE CENTRE FOR RAILWAY INFORMATION SYSTEMS(CRIS) BY THE MINISTRY OF RAILWAYS FOR THE YEAR 2013-14.**

The Centre for Railway Information Systems (CRIS) was constituted by the Ministry of Railways on 01.07.1986 as an autonomous body for computerization activities on Indian Railways. CRIS handles a number of important projects in various areas of Railway business.

One of the major projects being handled by CRIS is the Freight Operations Information System (FOIS). This project has been divided into two modules, the Rake Management System (RMS) and the Terminal Management System (TMS). Rake Management System (RMS) has been fully implemented. Reporting locations across the Railways are networked through the FOIS network. 99% of all RRs (Freight invoices) are generated through FOIS. Approximately 76% of all payments are in electronic form and are processed through the E-Payment Gateway. FOIS has also been integrated with other applications such as RBS (Rates Branch System) and COA (Control Office Application), and is interfaced with CONCOR through EDI (Electronic Data Interchange).

Two more modules of FOIS viz. Control Office Application for Control Charting and Crew Management System for ensuring optimum utilization of running staff were also developed. CMS Software system was rolled out in December 2007. Upto 31.3.2014, about 355 crew booking points were commissioned.

In Passenger Reservation System (PRS), Countrywide Network of Computerized Enhanced Reservation and Ticketing (CONCERT), based on the state-of-the-art client server technology, has been installed at all the PRS nodes providing facility for the passengers to book seats/berths on any train on IR from any location. PRS was running at more than 3000 locations with more than 9000 terminals and handling more than 3000 trains involving more than 1.6 million passenger transactions per day. PRS earned over Rs.3000 crore in the month of March 2014.

Unreserved Ticketing System (UTS) started as a pilot project at 23 stations in Delhi area of Northern Railway on 15<sup>th</sup> August 2002. Seeing the success of the system, UTS was extended to other locations and as on 31.03.2014, UTS was working at 5700 stations across All Indian Railways. Rs.1600 crore was being earned monthly from UTS by providing tickets to over 68 crore passengers per month as of March 2014.

Integrated Coach Management System (ICMS) has been developed to help in improving operational efficiency in utilizing passenger coaches and to monitor & analyze punctuality. The ICMS application is hosted on Central Servers located in CRIS and accessed by remote locations via the FOIS network.

Parcel Management System (PMS) developed by CRIS is planned for roll out in phases. In the first phase, 77 stations will be covered on 4 corridors.

The accounts of CRIS for the year 2013-14 have been audited by the office of the Comptroller and Auditor General. There are no major adverse comments.

रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2013-14 के लिए रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के निष्पादन की समीक्षा

रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) की स्थापना 1.7.1986 को भारतीय रेल पर कंप्यूटरीकरण गतिविधियों के लिए स्वायत्त निकाय के रूप में रेल मंत्रालय द्वारा की गई थी। क्रिस रेल कारोबार के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत सी महत्वपूर्ण योजनाएं संभाल रहा है।

क्रिस द्वारा निष्पादित महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से माल यातायात परिचालन सूचना प्रणाली (फोयस) एक है। इस परियोजना को दो मॉड्यूलों अर्थात् रोक प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) और टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) में बांटा गया है। रोक प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) को पूर्णतया कार्यान्वित कर दिया गया है। रेलवे की रिपोर्टिंग लोकेशनों को फोयस नेटवर्क के माध्यम से परस्पर जोड़ा जाता है। सभी आरआर का 99 प्रतिशत (माल भाड़ा चालान) फोयस के माध्यम से जनरेट किया जाता है। लगभग सभी भुगतान का 76 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में किया जाता है और ई-भुगतान गेटवै के माध्यम से तैयार किए जाते हैं। फोयस को अन्य अनुप्रयोगों जैसे आरबीएस (रेट्स ब्रांच सिस्टम) और सीओए (कंट्रोल ऑफिस एप्लिकेशन) के साथ भी एकीकृत और ईडीआई (इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज) के माध्यम से कानकोर के साथ इंटरफेस किया गया है।

फोयस के दो अन्य मॉड्यूल अर्थात् नियंत्रण चार्टिंग के लिए नियंत्रण ऑफिस अनुप्रयोग और रनिंग कर्मचारियों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कर्मिदल प्रबंधन प्रणाली भी विकसित की गई है। सीएमएस सॉफ्टवेयर प्रणाली दिसम्बर 2007 को शुरू की गई। 31.03.2014 तक, लगभग 355 कर्मिदल बुकिंग पाइंट चालू किए गए।

यात्री आरक्षण प्रणाली में, सभी पीआरएस नोडों पर अत्याधुनिक क्लाईट सर्वर तकनीक पर आधारित देशव्यापी कंप्यूटरीकृत संवर्धन आरक्षण तथा टिकटिंग नेटवर्क स्थापित किए गए हैं जिसमें यात्रियों के लिए भारतीय रेल पर किसी भी गाड़ी में किसी भी स्थान से सीट/बर्थ बुक कराने की सुविधा उपलब्ध है। 9000 से अधिक टर्मिनलों के साथ 3000 से अधिक स्थानों पर पीआरएस प्रणाली संचालित थी और प्रतिदिन 3000 से अधिक गाड़ियों का संचालन कर रही थी जिसमें 1.6 मिलियन से अधिक यात्रियों से लेन-देन शामिल था। मार्च 2014 के माह में पीआरएस ने 3000 करोड़ रु. से अधिक की आमदनी की है।

15 अगस्त 2002 को उत्तर रेलवे ने एक पायलट परियोजना के रूप में दिल्ली क्षेत्र के 23 स्टेशनों में अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) की शुरुआत की थी। इस प्रणाली की सफलता को देखते हुए, यूटीएस का अन्य स्थानों पर विस्तार किया गया और 31.03.2014 को पूरी भारतीय रेल पर 5700 स्टेशनों पर यूटीएस काम कर रहा था। मार्च 2014 तक प्रति माह 68 करोड़ यात्रियों को टिकट प्रदान कर यूटीएस से 1600 करोड़ रु. की मासिक आमदनी अर्जित की जा रही थी।

यात्री सवारी डिब्बों के उपयोग में परिचालन कुशलता के सुधार तथा समयपालन के विक्षेपण और निगरानी में मदद करने के लिए एकीकृत सवारी डिब्बा प्रबंधन प्रणाली (आईसीएमएस) का विकास किया गया है। आईसीएमएस अनुप्रयोग को क्रिस में स्थित सेन्ट्रल सर्वर में लगाया गया है और इसे फोयस नेटवर्क के माध्यम से दूरस्थ स्थानों तक पहुंचाया गया है।

क्रिस द्वारा विकसित पार्सल प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) को चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की योजना की गई है। पहले चरण में, 4 गलियारों पर 77 स्टेशनों पर इसे शुरू किया जाएगा।

वर्ष 2013-14 के लिए क्रिस के लेखों की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय द्वारा जांच की गई है। इसमें कोई प्रमुख प्रतिकूल टिप्पणियां नहीं हैं। -

**Statement giving reasons for delay in laying of the Annual Report and Audited Accounts of the Centre for Railway Information Systems for the year 2013-14.**

The Annual Accounts and the Receipts and Payments Account of CRIS for the year 2013-14 were closed and made available to the Principal Director of Audit, Northern Railway on 11.06.2014. Audit of Accounts commenced on 26.06.2014 and completed on 05.09.2014. Draft Audit Reports were issued to CRIS on 18.11.2014. Replies were sent to Audit on 25.11.2014. The Audit Certificate dated 28.01.2015 was received on 28.01.2015. The Audited Accounts along with the Annual Report for the year 2013-14 was approved by the Executive Committee through circulation of papers on 11.02.2015 and by the Governing Council of CRIS through circulation of papers on 02.03.2015. Accordingly, the Annual Report and Audited Accounts for the year 2013-14 is being placed on the Table of Both Houses of Parliament during the ensuing Session.

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र की वर्ष 2013-14 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे के प्रस्तुतीकरण में विलम्ब के कारणों का विवरण

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र के वर्ष 2013-14 के वार्षिक लेखे और प्रप्ति एवं भुगतान लेखे बन्द कर के प्रधान निदेशक/लेखा-परीक्षा, उत्तर रेलवे को 11.06.2014 को उपलब्ध करा दिये गये थे । 26.06.2014 को लेखा परीक्षा शुरू की गयी और 05.09.2014 को पूरी हो गयी । लेखा-परीक्षा टिप्पणियां क्रिस को 18.11.2014 को जारी की गयी । 25.11.2014 को लेखा-परीक्षा को उत्तर भेज दिये गये । दिनांक 28.01.2015 का लेखा-परीक्षा प्रमाण-पत्र 28.01.2015 को प्राप्त हुआ था । वर्ष 2013-14 की वार्षिक रिपोर्ट के साथ-साथ लेखा-परीक्षित लेखे कार्यकारिणी समिती द्वारा दस्तवेजों के संचलन के माध्यम से 11.02.2015 को तथा क्रिस की गवर्निंग काउंसिल द्वारा दस्तवेजों के संचलन के माध्यम से 02.03.2015 को अनुमोदित किये गये । तदनुसार, आगामी सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों के पटल पर वर्ष 2013-14 से संबंधित क्रिस की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे प्रस्तुत किये जा रहे हैं ।

\*\*\*\*\*